नवोदय टाइम्स

कार्यक्रम | आपातकालीन तत्परता को लेकर एम्स में प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

अग्नि सुरक्षा के उपायों की दी जानकारी

श्यामपुर, 28 मार्च (नवोदय टाइम्स) : संस्थान में व्यापक अग्नि सुरक्षा और आपात-कालीन तत्परता सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एम्स ऋषिकेश में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि संस्थान के प्रत्येक स्टाफ को अग्नि सुरक्षा उपायों के प्रति संवेदनशील रहना जरूरी है।

शनिवार को एम्स अस्पताल प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित व्यापक अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तत्परता कार्यशाला में आग के खतरों को कम करने, बचाव तकनीकों और निकासी प्रक्रियाओं आदि में निपुणता लाने जैसे मुद्दों विशेषज्ञों द्वारा व्यापक प्रशिक्षण दिया गया। शुभारंभ करते हुए कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा, संस्थान में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी को अग्नि सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी होनी जरूरी है।

कहा, इस कार्यशाला से खासतौर से अस्पताल में सेवारत नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षा कर्मियों और प्रशासनिक वर्ग के कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति में बचाव के तरीकों का अनुभव प्राप्त होगा। सीबीआरआई रुड़की के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ जैन और डॉ. ए अरविंद कुमार सहित अग्निशमन विभाग ऋषिकेश के प्रभारी सुधीर सिंह गुंसाई आदि ने स्मोक डिटेक्टर, अलार्म सिस्टम और प्राथमिक चिकित्सा के बारे में बताया और प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

बताया, संस्थानों में प्रत्येक व्यक्ति के जीवन और संपत्ति की रक्षा के लिए अग्नि सुरक्षा के व्यापक संसाधन और उपाय होने चाहिए। संस्थान के उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी कमांडेंट अनिल चंद्र ने अग्निशमन यंत्रों का उपयोग करने और इनसे आग बुझाने के विभिन्न तौर-तरीकों का प्रशिक्षण दिया। संस्थान के डीन एकेडेमिक प्रो. सौरभ वाष्णेय, उप निदेशक (प्रशासन) से. कर्नल गोपाल मेहरा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी सत्या श्री और मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉ. अनीता रानी कंसल आदि ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में घटना के दौरान आपातकालीन निकासी मार्गों का उपयोग, कार्यस्थल पर ज्वलनशील पदार्थों की पहचान और उनके सुरक्षित भंडारण की जानकारी दी गई।

साथ ही आग लगने की स्थिति में सबसे पहले फायर अलार्म बजाने और (101) नंबर पर फायर पुलिस को सूचित करने जैसे अहम बिंदुओं पर जानकारी दी गई। इस दौरान डीएमएस डॉ. रवि कुमार, पीआरओ डॉ. श्रीलोय मोहंती, सुरक्षा अधिकारी पीएस रावत, डीएनएस कमलेश मौजूद रहे। अस्पताल प्रशासन के ग्रुप बी और सी के कार्मिकों के अलावा सेवादीर आदि ने प्रतिभाग किया।

एम्स में व्यापक अग्नि सुरक्षा पर कार्यशाला के दौरान मौजूद लोग।

अमर उजाला

कर्मचारियों को सिखाए फायर फाइटिंग के गुर

एम्स में अग्नि सुरक्षा पर विशेष कार्यशाला आयोजित

ऋषिकेश। एम्स में व्यापक अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तत्परता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के प्रत्येक कर्मचारी को आग से बचाव और आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के प्रति जागरूक करना था।

शनिवार को कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि संस्थान में कार्यरत सभी कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा उपायों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने आग के जोखिम को कम करने, अग्निशामक यंत्रों के उपयोग, धुआं पहचानने वाले उपकरण (स्मोक डिटेक्टर), अलार्म सिस्टम तथा सुरक्षित निकासी प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी। सीबीआरआई रुड़की के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ जैन और डॉ. ए. अरविंद कुमार सहित अग्निशमन विभाग ऋषिकेश के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया।

कार्यशाला के दौरान आपातकालीन निकासी मार्गों का सही उपयोग, कार्यस्थल पर ज्वलनशील पदार्थों की पहचान और सुरक्षित भंडारण, आग लगने की स्थिति में तुरंत फायर अलार्म सक्रिय करने तथा फायर सेवा (101) को सूचित करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वाष्णेय, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री, पीआरओ डॉ. श्रीलोय मोहंती आदि मौजूद रहे। संवाद

हिन्दुस्तान

एम्स कर्मचारियों को आग से बचाव के तरीके बताए

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश में व्यापक अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तत्परता सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें संस्थान के कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

शनिवार को एम्स अस्पताल प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि संस्थान में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी को अग्नि सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। इस कार्यशाला से खासतौर

■ एम्स ऋषिकेश में अग्नि सुरक्षा को लेकर विशेष कार्यशाला आयोजित

से अस्पताल में सेवारत नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षा कर्मियों और प्रशासनिक वर्ग के कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति में बचाव के तरीकों का अनुभव प्राप्त होगा। सीबीआरआई रूड़की के वैज्ञानिक डा. सौरभ जैन और डा. ए अरविन्द कुमार सहित अग्निशमन विभाग ऋषिकेश के प्रभारी सुधीर सिंह गुंसाई और भरत कुमार ने स्मोक डिटेक्टर, अलार्म सिस्टम के बारे में जानकारी दी।

दैनिक जागरण

कर्मियों को बताए अग्नि सुरक्षा उपाय

एम्स में कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करती कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह। ● एम्स

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: व्यापक अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तत्परता को मजबूत करने के उद्देश्य से एम्स में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें कहा गया कि संस्थान के प्रत्येक स्टाफ को अग्नि सुरक्षा उपायों के प्रति संवेदनशील रहना जरूरी है।

शनिवार को एम्स अस्पताल प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय 'व्यापक अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तत्परता' कार्यशाला में आग के खतरों को कम करने, बचाव तकनीकों और निकासी प्रक्रियाओं आदि में निपुणता लाने जैसे मुद्दों पर विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि संस्थान में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी को अग्नि सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से खासतौर से अस्पताल में सेवारत नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षा कर्मियों और प्रशासनिक वर्ग के आपातकालीन स्थिति में बचाव के तरीकों का अनुभव प्राप्त होगा।

सीबीआरआइ रुड़की के वैज्ञानिक डा. सौरभ जैन और डा. अरविंद कुमार सहित अग्निशमन विभाग ऋषिकेश के प्रभारी सुधीर सिंह गुंसाई, भरत कुमार आदि अतिथियों ने स्मोक डिटेक्टर, अलार्म सिस्टम और प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जानकारी दी और प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

उन्होंने बताया कि संस्थानों में प्रत्येक व्यक्ति के जीवन और संपत्ति की रक्षा के लिए अग्नि सुरक्षा के व्यापक उपाय होने चाहिए। संस्थान के उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी कमांडेंट अनिल चंद्र ने अग्निशमन यंत्रों का उपयोग करने और इनसे आग बुझाने के विभिन्न तौर- तरीकों का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान डीन एकेडेमिक प्रो. सौरभ वाष्णेय, उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्याश्री, मुख्य नर्सिंग अधिकारी डा. अनिता रानी कंसल आदि मौजूद रहे।